

॥ नमः ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ अथ मीमांसिका ॥ १ ॥ शुक्र म उच्यते ॥ १ ॥
 मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥
 मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥
 ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥
 मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥
 मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥
 मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥ मीमांसिका ॥ १ ॥

न के अथ कनना ॥ ॥ यक्ष सामल कछ किलि। गुपि गुठ गुयिं यलिः
मं अथ लख नन सों ता न के अथ कनना ॥ ॥ मिदि स यिं यलि क के रा
मि स मरा गक सिनवा लं न ॥ अथ कल ना ॥ ॥ यिं यलि कल उ यक्ष नाम
स क वल वमि के व स मरा गक सी न वा न न ॥ अथ कनना ॥ ॥ गविः
स ग ग क सू के माल व य के धू ल व द ल व स मरा गक सी न वा ल न ॥ अथ
कनना ॥ ॥ शुठि मं यिं यलि ॥ ग उ दा मं ५ न मं २ य न माल का धू
दि म ला लः अथ या द ही म इ य व ॥ ॥ अथ या ल क ध ग ना डी। मा म ना

दं द वा दि ही ॥ न ग २ या ल क ध ग ना डी व दं द वा दि नी ना डी अथ ॥ वा न वाः
धि क वा या ल ल क ध ग ना डी ॥ वा न यि क ना डी ॥ ॥ वा न यि क नि दा न ॥
म म मू क ग मा दा दः स य न ना सः मि ना य का। क ध स म म थ वा म द
म यि क मः ॥ या म या य अं ग उ मं चिं नि व यि क द य द म द म मा उ म क
अ म थ ग द वा किलि व व यि मि कं क डि या व व यि म यो मि या दिं य ॥ य व
अ म थ ग द वा न यि क क वा क मिः ॥ अ यि म थ म क वा वा का ल व व वा न यि क
अ म थ ग द वा न यि क क वा क मिः ॥ ॥ अथ यि किलि ॥ ॥ उ द ल ल वु पि वा ल नः

इष्टि वागयिक नाभयुयिक प्रज्जग्निक न ॥ २ ॥ यियलि मा उ स लवठलव
ययक क्ष सुक म्मा ल द्यालंर क के मा स य म्क ला मूल मल य म्क साव न
य मा या वे दा उ क कि न वा ल न वा ग यिक नाभ ॥ १० ॥ आ व द्यु वा ल व स ना य
य यियलि सुक म्मा ल लवठलव ययक क्ष यान क का व य म्क उ य दा य
य य लवठ कि लि सा द न द ल उ उ म्म ल व द ल उ म्म व ल ल व के न ल ल
य म्म ल व ल कि न द ल सा व ल न व द्धि वा ग यिक नाभ ॥ १० ॥ ॥ वा न
या वा ल य मा या वा न म्मा ल क म्मा ल दा व वा न य मा ना ठि य य ॥ ॥ वा न

य नि दा न ॥ ॥ म्मि म्मि य व द्ध म्म र दा नि दा लो व व म्म व मि या व द्धु मि म्मा
ह य मा ल द्या य व द्धु म्म र मि मा या म ध व म्म र वा ग म्म य मा ना ठि मि ॥ ॥
य मा म्मा ल सा उ कि खा वि द्या य म्म यि म्म थ सा य द्ध द द य म्म मा रु म्म उ
य मा म्मा ल उ य मा म्मा क व व य व ती म्मा व क म्म म्म व ग म्म य मा म्म य
मा म्म ॥ ॥ वा न य मा य वि कि सा ॥ कि म्म य ल म्म क म्म य वि द्धु वि वि द्धु
य मा म्मा ल द्या लंर ल वं द य व म्म म्मा ग द मि वा ल न वा य मा ना भ ॥ ॥
य मा म्मा ल य म्म ला म्म ल क के मा म्मि क क क म्मि न वा ल न के मा म्म य मा ना

॥॥ ॥ शुचि रियं यति हल उ अं व ल व ह ल उ थ न क सि न वा ल न कं वा न ल
ली ॥ ॥ गालि स य क ला मूल शुचि व क य सि वं स मा य न ल व द ल व
सा न कः स क ला ल कूट स म हा ग क सि वा ल न कं वा न ल य ना म ॥ ॥ कं
गि कि लि गु उ गु शुचि य क वा मूल थ न स म हा ग य द न लं व य वा सः दू वा
द य कं का ० य रं गा न कं वा न ल य ना म ॥ ॥ यिं य लि यिं य ला मूल सि यि
ध व क ला शुचि स म हा ग क सि न वा ल न कं वा न ल य ना म ॥ ॥ य क ला
मूल ॥ लु क व वि क दू ल व द ल वः वं स मा य नः स क ला ल क सि न वा ल न

दं वा न ल य ना म ॥ ॥ वि क दू स य वा ना मि न वा ल न ग व उ वि द न रं वा
ग ला ना म ॥ ॥ यि क य नां य क य नां न ग ल क द ग द ग द व यि क य
नां यि दू ल यं ॥ ॥ यि क य ना मि द न ॥ लि क कि क य ना न ल मा द
का ला व यि क य म द द ल म दः श्री ग यि क य क ला द मि ॥ कू थ स खा
उ न य ला थं द नी व क ना न व नि व स व र ह य मा सा क द य व रि म द य
स य यः य वि मं द म स म ध यः य वि न वि दि न व नि वः यि क य ना यि दू
ल य थ न ॥ ॥ यि क य ना यि दि ला ॥ ॥ उ क ल उ गु दः म कः द ल लं

ॐ धनं कायदासं मानकं यिरुक्षु मा कृ न नाग ॥ ॥ म सु सु क नः बाल
उमहाः वक्रवहनः सुं विः धनं कायदासं मानकं दी व क सं यिरुक्षु मा सं हि
ॐ ॥ ॥ विरुक्षु ल वरुः सुकमालः ल वरु ल वः समराग कसि न बाल न
कं यिरुक्षु मा नाग ॥ ॥ म विरुक्षु सुकमाल वं स यो वन ल वरु ल वः सम
राग साख वन वरुः नदि न युक्ति मं ॥ धा व कसि न बाल न कं यिरुक्षु मा ना
ग ॥ ॥ यियं गु व वरु ल वः सुकमाल या न क म मः वं ॐ सुं ॥ कि मी दिः
मि यलिः य क ल मूलः दु ल ल रः समराग कसि न बाल न कं यिरुक्षु मा ना

ग ॥ ॥ ल वरु ल वः सुकमाल या न क पिं यलिः क कं यलिः क व ल व सि क व र
यं क ल मूलः समराग कसि न बाल न कं यिरुक्षु मा नाग ॥ ॥ ॥ दु ल ल मः
मि यलि क कं यलिः म सु यियं गु य क य मूलः ल वरु ल वः सुकमाल या न
कः धनं कायदासं मानकं यिरुक्षु मा नाग ॥ ॥ म विरुक्षु सुकमाल वं स यो वन ल वरु ल वः सम
राग साख वन वरुः नदि न युक्ति मं ॥ धा व कसि न बाल न कं यिरुक्षु मा ना
ग ॥ ॥ ल वरु ल वः सुकमाल या न कः मालि स की लि क कं यलिः समराग कसि
न बाल न कं यिरुक्षु मा नाग ॥ ॥ ॥ ॥ विरुक्षु ल वः सुकमाल या न कः मालि स की लि क कं यलिः
विरुक्षु का गमनं स नि या न क ॥ क वि ल ल गम ना क य वि र ग वा दि टी ॥ वि

॥ अथ कायकाङ्क्षाः ॥ इति प्रथमः अध्यायः ॥ ॥ लोका निगल्य नृपं गच्छं वनिवः
 ॥ ॥ इति नां वलसः स्वभावा न वनिवः ॥ ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥
 नमः ॥ ॥ उक्तं नमः ॥ ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥ अथ
 निदानः ॥ ॥ निवसा ॥ ॥ नमः ॥ ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥
 ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥
 ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥
 ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥
 ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥ इति नां वलसः वगन वनिव उक्तं ॥ ॥ ॥

इल ग्य उणा कः यल किः म प्र विष्णुः गाननि विहाय श्रवण नद यिव अति
 कं गायः कं थु म दठ र मिनः नी व व य थंः द्वाद थं या क २ को भवन दय व क
 उणा सम न्वा यं वः कू थ सः का स म क कू व य व थं गणा ती व द्वा स थ गान ती
 या क कू य वः थ ग स न्नि या न क ल या ल क थ स थ ॥ ॥ ल वा दः सू क म्पाल
 यि थि लि पि दू लाः थ ग स म रा ग दू र्धु या द क सि न वा ल न क पि द्वा स ना म
 म स थ ल वं गा दि ॥ ॥ यिं थि लि म ल वः धु थिः द क डि लिः दू ला लं र क व उ
 व म क वः य क ला मूलः क कू र्ण सि म म रा ग दू र्धु या द क सि न वा ल न पि द्वा

मयकः मलयः पिपिलिः मुपिः उहलः कीचिः रुकः कीचिः यिमनिः जगु
लपिलकः मकः वायः बालः कजमासिः बालः कयः बालिः रुलः हीमवा
अथन समराग वासत्रया या उसायः वृष्टुया दावकमीन बालन स्यं
विदिवः दासया कदं गः अग्निवृद्धिया कः वलविवसिंदलयाः प्रिदासमाव
दयवदनाः गलसयीउत्रयः उकः सुवदयः लः गवउमयिं गा कवकी
काडादु २ धावः गुदही मगी सोत्रः गलसुगल २ ववका न मरुव गुल
कः काडा अदिन विदासमाक ॥ उयलं वंगादि ॥ १ ॥ संगाडा दिके।

या उवदुदिशी रंगल गुद ॥ दादा नगीतगा वाकनि श्रीवकरु यिकया ॥
दिका युमीवकः ४ धासः निडा कः युगा यकः ॥ रुधायनी संहं दावदन नि
कः गा नगीत ॥ कः यिकः सकं वगिल रुधं रुः रुसं रुः ॥ वा २ नसूया थंसा
कः ववका मा ल गल सा कः ॥ रुदयः यिखा दः उलसदीवयि ॥ उय स्यां हि
कमीमिदः सात्रय पादः रुदः उय ववः कः रु कः २ धावः ॥ सा सवादि विमडा
नूथयायः रुधाय यिव ॥ यिक नगा रुधाय नवा वाग रुवाः थन लकः रु
रुसं निपात ॥ २ ॥ यालादवगिः निमः यिदुलाः रुधिमधुः दादया लहे

समरागका ० दासं त्वं नयिरुद्राया रुलनाभा ॥ ० ॥ लवाटः यस्क लाम्
लः लवं लवः रंगवाकं वाः कीनहाल जूरु लयिं यिलिः कृष्ण र्थं वः यन न
वक्रय ननः नूयकं धः या न कः शु क माल समरागः दू नाया या उ सा ख व
कली नवाल नस्य यिरुद्राया धिकि विदा स क व नाभा ॥ २ ॥ यिरुद्राया धि
क स निया न ॥ ॥ दू नाभा ० नो दा द क टी व द्या व धू य नं ॥ मि नो गो व व मा
ल स्यं मि दा भी न क ना व द्या ॥ म न्या र्थं र य वा नि श्व र सु या ध्व वि नि य द ॥
स निया न म क र्ण र्थ क द्वा ना ल नो र व ॥ र्थ म दा यं न द य ल्प ना न व

स रायः मा क रा रुः जू ला स क द व वः दा ना काः सा क द वा वा क य की यः श वि
मि व यः या स वा यः य का म्पा क ॥ म क ती म निया न थः वा न न वा ल्प ना न वा
यिरुद्रि वा ॥ ३ ॥ वि उ स म निया स रा जी य स्क लामूल वि श कं ग णी वे कं
क न सिं यिं यिलिः सुं णिः ध न का क सं ख स द्वा स ग द न दा ग ल्प ना धि क वि द
य ना भा ॥ ॥ ल व द ल वः या न कः सु क मालः नू य कं धः यिं यिलिः क द्वा कः
सुं णिः रु क कि विः द्वा ल र्थः क उ व स कः य स्क लामूलः क क्का दा सः सम रा
रु र्थ या द क सिं न वा ल न स्य वि दा स स निया न का म्पा स ग उ स यी उ व य

गलवागदिक्काः चक्रादमङ्कसदृ॥ चक्रागवाविष्णुसाधिकसंनिधाय
॥ ० ॥ मूर्त्तानि क्रवादिक्का रूपा द्वाव लक्ष्यं ॥ उवसा काङ्क्षिनिद्राव
ः सुवर्णं सुततिः सनः ॥ यवमूलं यलायश्चः विष्णु आनिनयुगं ॥ यिंतिः
काङ्क्षनं मूलं वक्रिदृष्टयुवादनं ॥ दहायामंगमं रूढं न स्यावनिगुहः
सिंगविष्णुविकाख्या सुसन्निधानं निलल्लन ॥ लंग काः उमस्त्रिनयः रूषमा
नमदयिव कवदयः दिक् वयिकः यासदः दयः वलनलिव ॥ खल्लयाय
ः किलवयिवः यिल्लयिव ॥ अयिष्णु धरायः नाधनिवः विवाकाद्वनिह

यूव। कृष्णस्वयकः यमस्याकः कलिय लायिव ॥ कंमवी वधं नयं सायिवः
मिदिं वय ॥ विष्णुलकसन्निधानया लक्ष्यः वा ननवाः यिरुं अयं क्रिवा
खले ॥ ५ ॥ विष्णुला नमालः युउगुः धर्मसमयम काकदासां नादनवा
साधिकसन्निधाननाम ॥ विष्णुवकसन्निधानया ॥ ० ॥ विद्वक कवादाह
ः मीतनायाकानिलो ॥ कृष्णः कृपितः अमृदिक काठायमीलका ॥ य
विरुद्विष्णुवी ययवाया लोववक्रमः ॥ नाशियाव्यवजावृदि नगु सदाय
वर्कन ॥ लो नराः नौमो नवदि मूलं अमृदया रूढं ॥ विहा वा नकी वधैः
वके

याग ॥ १ ॥ मंडाणी मन्त्रादादादुद्धा मध्यासना ॥ अथ विजोवदाय
 याग्यमनिष्कृष्टं नंदं ॥ २ ॥ अथ मन्त्रादादादुद्धा मध्यासना ॥ अथ विजोवदाय
 कुरुनिग्रहं ॥ अथ मन्त्रादादादुद्धा मध्यासना ॥ अथ विजोवदाय
 मन्त्रादादादुद्धा मध्यासना ॥ अथ विजोवदाय
 मन्त्रादादादुद्धा मध्यासना ॥ अथ विजोवदाय
 मन्त्रादादादुद्धा मध्यासना ॥ अथ विजोवदाय
 मन्त्रादादादुद्धा मध्यासना ॥ अथ विजोवदाय
 मन्त्रादादादुद्धा मध्यासना ॥ अथ विजोवदाय
 मन्त्रादादादुद्धा मध्यासना ॥ अथ विजोवदाय

आशा मन्त्रादादादुद्धा

ASHA MANTRAS

609

I

वः सुं ग्वं मङ्गिः थन वयः यास यायः मिखा दिंयः ख झय मरुवः द्रु स नम
ता वः अस्मा माय केः रु गन या दावः गिरु वं ग नयः काव लदा व क न या उय
डव गयं द्रायिव ॥ थस वं गिरु रु न रु ग न या न दा न या न काय लय लंः दा
क स स ल का स स दं य गिरु स व य यिव ॥ वादि त्रिका उ मरु यिवः अ न म न य
॥ थस अ न निक जय के मं द व यिः स्व या न द्वा सि यी व ॥ थ न ल रु द रु व स
नि या न या अस्मा न वाः गिरु वाः वा न वा यि वा धा न थ या स नि या न या ना म
क रु ल था य ॥ ६ ॥ श्री हाम धा धि काः क र्थ र्वा न यि रु क रु रु मा उ । म धा

हं रु व नि थं स ल्य धू ल यि सं रु मा ॥ मं न्ना नां रु द य के ॥ म रु के व द न वृ जा
दि का रु (जी व वा या नि वा के रुं रु सि ग तिं ॥ स मी ल के क टी ना द का म धा
सं व य रु रु ॥ उ न्ना द क धु मू ल रुः धू लं गा नि ग ता मू यि ॥ क र्वा नि के र्थु मू ल र्वा
यि डि कां के र्थु मू ल गं ॥ वा ला रु तिः स वि रु य म्वा हा द वा क सि द्वा ति ॥ ॥
वा न दि वाः गिरु न वा अस्मा ल वा रु म य नि या न न थ थ वा ध व य य ॥ रु व सा
मा न्ना यं ग मा न न था य व न ना म का ॥ व क सः लं ग्व उ स के ० स मा उ स रु थू स सा
का दि क व य वः लं ग्व उ न स र धा यः म न स त्व म दाः लः वं झ य म रुः नां न ना

द्वायंयव॥मिखाहि थंमकं गवः संल गलः द्वे गवः ० स्याथंसाक माकः सालस
 यां गवः गुलनां वयः॥क्रमस गलिवन का द्वा द न सा द यिव ॥ क्रमस गवः का वन
 क द्वा गलः थं उ द यिव ॥ थ वि दायि स निया न स द्वा नः स द्वा द य थ कः गुलि
 द्वि नां क द्वा उ उ या द न सा कं द व व ॥ ० ॥ क्रमस गलः थि कि ता द व न द्वा
 य धू ना ॥ ० ॥ मथा की धा धि का य न द्वा यी वा ना दि का क मा न । खं खं वृ य स ग
 सा व दि द्वा स या क क द्वा । कं ० द्वा न नि द्वा व स र्वं द व क का य मं ॥ मृ क य धू
 गल वं व धू क गाल का म न द्वा द्वा गु उ गुं म वा ग्ना सं द वि नि गु रं ॥

सन कं द्वा द्वा यी व द्वा द्वा का कं स द्वा मृ द्वा ॥ यमी स द्वा स का सा नां स र्वं य वि व
 द्वा नं ॥ अनि द्वा स म थ य नं या य वा ना द्वा य मं ॥ क द्वा स का क व मा न स द्वा द्वा द
 य व र्क नं । या व द्वा न य थ का वृ स य वा रि य व र्क नं ॥ नु य क क द्वा का ना म स नि
 या न स मा नृ नं ॥ यि क द्वा वा वा न न वी धू म स र्वं वा ना दि या थं य वि या ति थ
 थो ॥ वा ना यि क द्वा स या वं थ व २ ल क म थ व २ स य व द्वा व थं यि व म स र्वं थ वा
 य क का य वं द्वा ॥ कं ० स थ य कं उ नृ द्वा न द्वा लि व य ल द्वा यि व स वा व न
 म थं द्वा दि व ॥ गल स द्वा य य ल थ द्वा थ द्वा न यः कं ० सी थं थ य कं उ नृ द्वा न

कालिवः थंकागनिव ॥ इंदयः अंयामलायः खंकायमशुवः मिखादिंका ॥ खा
नसहीनका थंयः कसुनरुति लायति लायवव ॥ उथं १ खावयलकायमा
॥ मिखाथं मकं गवः सावयया गवनाः मासा कनां संगियुनिदिनवा धनयय
॥ मनेवयसु किनव मनसुखमदुखं कासववाया सावनसुया थं सायू ॥ ख
यलः लाउ थिंकायथकः कं नग्वरु सरुवदुनयंद कादगवथं वानिबे लाउ
॥ यकीनवजा धकया थं कगवदाथं सायववमा लान ॥ धसनिपानयाना
मकजा दकभाया अनिकुय ॥ ८ ॥ मिदिमः कृषुयुनू ककटासिं कृटः

कंसलः थिंयिलिः नायसावव नृशुयाद नस्यं थिंयुन विदावमावक ॥ दाका
दि ॥ ० ॥ ठिकदूः कठवसकेवः डलालंरः यकलामूलः रुकजीविः सूक
मासः यागकः लवववः नालिमः ककटासिंः कसुः वंमलोवनसमसागशुशु
रुक्मिनवालनकं वागलू अकागदिदू असावविमदा थं कासाकः कि
पसुनिपागमाक ॥ यंयदमा ॥ वागलू आधिकया ॥ ८ ॥ विदंम
सहीनासुः कयुवा तादयः कुमा ॥ नकय कारियागंव यगलिंगं स्वकं
स्वकं ॥ कंयमूकृगुमअसविलाया वनिमादनं ॥ संमांकं नित्या नः सनि

[illegible]

कल नवव गहिक कृदि च न मावकः च य गुर्दः ॥ ऊ या ग या गृ ह न या क
 य ॥ य गुर्दः ॥ ऊ ल ॥ ॥ दी न य व द म ध्या ध्य य गु वो ना द य कु मा ॥
 भू य कृ क्ति न नाने वं ग दं ह्यं ह्यं ह्यं कि न ॥ क रू यि ला रु ऊ ॥ ऊ र्वा व द्वा
 रु रु द म रु व ॥ रु व ॥ ॥ गु ॥ य या के य सं ग्र मा र्वा द्वा म न ॥ वा न द्वि वा ल
 न वा यि रु मा वा कु म य त्रि या नि ध य ॥ ॥ य व श ल रु द य व द्वा य व य व
 य य वा य ना ना य त्रि द ॥ वा व य ल स द्वा न वा ल व यि व मि र्वा द्वा यि व
 गु या रु ह्यं रु व म न य क थं य ल श या ग ह्यं क रू व यि व ॥ रु स रु स मि र्वा

कृष्णं गमाज्ज श्वर्गं सकृद्वयिव, श्वसं गमाज्ज समिधाय ॥ १॥
 सिद्धिं सुदहलु, सुसुखं सुदहलु, सुकमा ल, पिंपिलि, केके
 धर्मि, कीर्ति, दकडि, वि: बाल, गाली, लवंग, लवंग, यामक, ग्वलसाहन, न
 गक, प्र, आ, द, अ, सु, मि, दि, धू, न, सि, सि, क, व, उ, य, दा, श्री, वि, धु, व, के, य, न, न:
 स, य, ल, अ, न, क, सि, न, क, ल, न, क, व, न, गि, क, मि, क, स, नि, य, ग, न, के, पि, न, पि, क,
 धं, सा, व, द, व, य, ध, न, न, उ, व, य, य, स, म, क, व, वि, न, द, यि, क, र, ग, ला, क, वि, य, ध, न,
 सा, व, क, अ, ड, ग, न, ध, अ, रि, न्या, स, मा, य, क, ॥ १॥ र, नी, य, ड, क, दि, क, र, यि, का, क

३४

वेसनि यानस ॥ ० ॥ युवद्वदनमध्वसुयुवावा दयकमा ॥ सुसु
 वेगयुक्वैकि, वेलायायासक, यनं, मन्नासं, रं, यम, यं, व, म, क, मा, दा, न, ग,
 र्ग, ॥ स, नि, य, न, : स, वि, रु, य, सु, र्, : क, क, नै, सु, र, क, : ॥ अ, य, वि, य, वा, न, न, वा,
 यि, क, सु, य, थ, थं, य, वि, य, नि, ॥ थ, व, १, न, क, हा, व, यि, व, न, ध, नि, व, अ, न, क, द, यि, व,
 अ, क, य, की, क, न, नि, यी, व, लं, ग्व, स, वि, द, ग्व, स, न, १, दा, रि, व, ग, य, मा, ल, न, यि, क,
 ध, क, क, व, स, नि, य, न, सु, द, न, ग, नि, न, ॥ १॥ म, अ, यु, व, द, स, दी, न, य, गु, वा, गु, द,
 र, : क, मा, ॥ सु, सु, व, यं, यु, क, व, कि, सु, वां, ग, सु, व, द, व, वा, ॥ अ, न, य, क, य, व, सु, द

कृत्वा मा का दव वृत्त। पूय ध्रुव गुण स्यात् वृत्ती ध्रुव न ग नी नृणां ॥ मं म्मा द
म त म्मे व म य नं द वि षो म द ॥ या क ला कृ १ स वि हू य १ स नि या क स द वृ द
॥ वि रु दि वा धु म न वाः वा त स वा थ थं य वि या नि न यि व ॥ अ व २ स ल कृ म व
यि व कृ द्वा द यः मि या ना ल कं न य ॥ दं व न क कृ व यि व स स अ ल य स स स
सं त स यं म स ॥ क कृ द व स य मा ग्ज व कृ थ न वा दि यि हा स व यि व वा क य डि
व द व थ म न व म्मा वे क म जी व ॥ ए क वा ल द व लं ग ल स्या क न थं धि रु व
यि व ॥ थ स नि या क या क वा धा या स द न ॥ २ ॥ द क वा मा द या य म्मे १

वे सिं ग स म नि नं ॥ इ द्वां ग य ल या क य म्मे क ना व द्वा ना कृ १ ॥ अ स द न ध्रु व
लो स कृ द्वा अ ल वि स द्वा ॥ व ल य रु नी न स द्वा यं कृ ट या ल क १ ॥ ० ॥
वा द दं म्मा वा यि रु वं वा द्वा म्मे व वा थ व २ स ल कृ म व द्वा का वं धा व ग म क ॥ य
थं वि षा ल द्वा यं स यो या यो नि व ना न म वा गः मि या ना ल कं न य ॥ कृ स न
म द्वाः व ल नी द्वा यि वः कृ द्वा दि व द्वा ना म द्वा ॥ ध न ल कृ म ग म द्वा व द्वा
व य म द्वा व द्वा य व द्वा गी ॥ स नि या क कृ ट या ल क धा या स द न ॥ कृ ट या क
लि नं द्वा वा द्वा व द्वा व द्वा य ॥ ग ल द्वा यि म्मा यो नि या द्वा यो य ध व ति

॥ कुरु कोया लक सानिया म खं न दावः न कं गुलि दा कं गुलिं समध वय मरु
वः द व द वी नः र न न यिः न वः अ वी न द दालि क द वं द य द व व ॥ अ य न
न द ल क सानिया म ॥ १३ ॥ अ मि र ल क क य द न सानिया म वं स मा यं ॥
॥ ... ॥ ॥ वि दाय द म रं नि ग्री नि दाय क ल्य न द वाना नि (ध्व ग
न म निः स मं दानि व ल दानि कः ॥ न ग र ल्य म रं न्या स म नि य म रं स ल क
रं ॥ वि दाय या ला ल यि क म ला यि व द क रं व क ल्य (ध्व क रं द न द क रं म दाय
न मं म दः सः थ म दानि न व ल मा य कं गी क थ ग ल अ रि न्या स थ सानि

या म या ना म गु या द द रं थ ॥ ॥ अ वी क द क रं द मां सि आ कं किलि अ
गु रं न द द यि अ द म मि व कि सि रं ग्री द यि यि लि रं मा ल य क ल मूल
गु रं गुः थ गं द रं या द क ० या द द मं दि गु रं थ द ल न कं द नो रं न द द दि
व द थ गं दः सः व यि वः या स थ गं न गं रं न गि दाय क रं मा क ॥ ग न्द्रा क न
या ॥ ॥ ॥

१५ नलिडि कामिमान कासं दू दू न ॥ डि कायी नाखे व स्यभी सु निता
 साय नाधिक । व का ५५ मा रु वयिक ४ क रु ५५ ग्रा दु वा घ ना ॥ मनययि व
 काययः क रु वयः ना ना काय ना नाधिकया ॥ म का दयः वं वय यिकाधि
 केया ॥ म ना जयः ला उ दाय ५५ माधिकया ॥ ॥ क सु स न ५५ काय स
 निया नाधिके रुमा । मि सि ने मि सि ना रु या त्रि सु ल रु भ व डि ना ॥ म हा क
 ना ना का कः शु व डि गं दः स नि या नाधिक स ॥ वा न यि रु या न ना ल रु न ॥ वा
 न ५५ मा यां थ व २ स न ना ल रु द ॥ यि रु ५५ मा या थ व २ स न ना ल रु भ ॥ डि

दावया डिदाव अलिष्ट रु ल दा व थ न ल रु द वि ना ल य म र ॥
 डि का ल रु भ ॥ ॥ थ न ली मू ग ल रु द का सं दू दू न ॥ वा न य या शु ल
 मू ग स रु नं क रु ना गि नां । व क व शु र व यि रु मि सि ने कं कं र व ७ ॥ वा न या
 मू ग ना य व । ५५ मा या यि या न जा व ॥ यि रु या का दू । वा न यि रु या का दू ना
 यः वा न ५५ मा या ना य व यि या न जा व । यि रु ५५ मा या का दू यि या न जा व ।
 दू द या ल रु भ स य ॥ स नि या न रु य या द न ल रु भ स रु भ ॥ डि दा व स नि या
 न रु न दा व मू ग रु क ॥ थ न न मू ग ल रु भ स य ॥ ॥ ना ली डि का व मू ग ना

लक्ष्मीयानलक्ष्मि । मायया मुकुं पूर्णा वैश्याय नैविवा प्रय ० ॥ नाडि रं ७
किं कालकृष्णमूत्रलक्ष्ममसुवैद्यनत्रागीश्विनमायकयः श्वननश्चदा
कायन्ननविद्यालयायमास ॥ वैद्यन ॥ गत्मात्सर्वययन्ननलक्ष्मि यित्वापि
किं सय ० । भक्तुमनस्य विद्यायत्यर्थं संयाया नमया । तेनात्मीयऊनाः १४८
नित्रागीश्विनजीविनः । यत्नेनंश्चयत्रिकायादनवैद्यप्रकनयि किं स्या
मायनेव ॥ यत्नसुसयामातनः प्रागीदयकायायधलादाहलननथप्रज्ञात्मा
मरुतदाका नित्रागीरुप्रवित्रंकीविथरु ॥ रं निनाडि किं कालमूत्रल

मुकुं शमायुं ॥ ५॥

